प्रेस विज्ञप्ति

तटरक्षक द्वारा लक्षद्वीप में विदेशी याची को बचाने हेतु सहायता

04 अगस्त 17 की सुबह कवरत्ती द्वीप से दूर लक्षद्वीप में, दो कर्मियों के साथ विक्टोरिया बंदरगाह से रवाना हुई तथा सेचिल से आबू धाबी की तरफ अपनी पहली समुद्री यात्रा पर जा रही संकटग्रस्त पोत लुईस याची को भारतीय तटरक्षक पोत समर्थ ने बचाया । तटरक्षक पोत के जांच से पता चला कि विक्टोरिया बंदरगाह सेचिल से आबू धाबी के तरफ अपनी पहली समुद्री यात्रा पर जा रही 38 फीट लंबी पोत में बिजली लुप्त हो गई, जिसके कारण पोत 02 अगस्त 17 से ही अरब सागर में अनियंत्रित ढंग से तैर रही थी ।

04 अगस्त 17 को भारतीय तटरक्षक पोत ने लगभग 0130 बजे याची को कवरत्ती द्वीप के दक्षिण पूर्व 25 किमी की दूरी पर चिन्हित किया । पूरी तरह से बिजली लुप्त होने के कारण याची में संचार एवं नोदन प्रणाली ठप पड़ गई थी तथा लगभग 48 घंटे से खराब समुद्री मौसम से जूझते हुए कर्मी सहायता का इंतजार कर रहे थे । 35 नॉट की तेज हवाओं एवं 4-5 मीटर तक ऊँची उठ रही समुद्री लहरों के कारण बचाव अभियान को अंजाम देना बहुत मुश्किल हो रहा था । याची को खींच कर लाने का प्रयास विफल साबित हो रहा था । समुद्र की विषम परिस्थितियों से जूझकर पोत ने दक्षिण अफ्रीकी नागरिकता वाले दो कर्मियों को बाहर निकाला । 25 वर्षीय मास्टर गवीन स्टीफेन तथा 21 वर्षीय मरनू क्रिस्टॉफ को सुरक्षित निकालकर अपने जहाज पर चढ़ा लिया गया । याची के स्वामी मि. ग्रेगरी पेकर आबू धाबी में रहते हैं । खींच कर लाने के लिए अवसर की प्रतीक्षा में पोत उसी क्षेत्र में निगरानीरत है । इस मानसून का यह दूसरा अभियान है, इससे पहले तट से 1100 किमी दूर याची लेडी थुराया को भारतीय खोज एवं बचाव दल ने 03 बहुमूल्य जिंदगियों को बचाया था ।